

वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT 2003-2004



इलाहाबाद बैंक
ALLAHABAD BANK

प्रधान कार्यालय : 2, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता - 700 001
HEAD OFFICE : 2, NETAJI SUBHASH ROAD, KOLKATA - 700 001

इलहाबाद बैंक ALLAHABAD BANK

प्रधान कार्यालय : 2, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700 001
HEAD OFFICE: 2, NETAJI SUBASH ROAD, KOLKATA 700 001

विषय-सूची / CONTENTS

पृ. सं. / Page No.

● अध्यक्ष एवं प्रबंधन निदेशक का संदेश From the Desk of Chairman & Managing Director	2
● सूचना Notice	5
● बैंक के निदेशकों की रिपोर्ट Directors' Report of the Bank	8
● नैगम शासन पर रिपोर्ट Report on Corporate Governance	21
● नैगम शासन पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट Auditors' Reports' on Corporate Governance	35
● बैंक की वित्तीय विवरणी Financial Statements of the Bank	36
● बैंक के लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट Auditors' Report of the Bank	54
● समेकित वित्तीय विवरणी Consolidated Financial Statement	56
● समेकित वित्तीय विवरणी पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट Auditors' Report on Consolidated Statement	75
● ऑल बैंक फाइनेन्स लि. की वित्तीय विवरणी पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट Auditors' Report of All Bank Finance Ltd.	77
● ऑल बैंक फाइनेन्स लि. के निदेशकों की रिपोर्ट Directors' Report of All Bank Finance Ltd.	83
● ई.सी.एस. हेतु अधिदेश फार्म Mandate for ECS	105
● प्रॉक्सी फार्म Proxy Form	107
● उपस्थिति पर्ची Attendance Slip	109



अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

प्रिय शेयरधारको,

आपके बैंक की द्वितीय वार्षिक आम बैठक में उपस्थिति होने के लिए आपको आमंत्रित करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। मुझे आपके समक्ष वर्ष 2003-04 हेतु आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का सुअवसर मिला है। आपको यह जान कर प्रसन्नता होगी कि वर्ष 2003-04 के दौरान बैंक ने सभी महत्वपूर्ण प्रचालनगत क्षेत्रों में अपने कार्यनिष्पादन को बेहतर किया है।

2003-04 के दौरान विश्वव्यापी आर्थिक मंदी के बीच सकल घरेलू उत्पाद में हुई 8.7% की जबर्दस्त वृद्धि ने भारतीय अर्थ-व्यवस्था के समुत्थान को सिद्ध किया है। आर्थिक वसूली समुचित रूप से व्यापक रही है जिसमें कृषि विकास 12.6%, औद्योगिक विकास 7.0% तथा सेवा विकास 8.3% रहा। भारतीय अर्थव्यवस्था में आशा की किरण बरकरार है जिसमें अन्य बातों के साथ साथ मुद्रास्फीति की नीची दर, पर्याप्त विदेशी मुद्रा भण्डार, निर्यात में वृद्धि, राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण तथा उत्साहित पूंजी बाजार का योगदान रहा है। इनके अलावा, आधारभूत उद्योग और अर्थ-व्यवस्था के बाह्य क्षेत्र में भी हाल में तेजी से विकास हुआ है।

भारतीय वित्तीय क्षेत्र संक्रमण काल से गुजर रहा है, जिसमें उदारीकरण और विश्वव्यापीकरण, विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) का प्रभाव, बैसले-II के अंतर्गत कठोर विवेकपूर्ण पूंजी पर्याप्तता मानदंड का अंशीकरण इत्यादि साथ साथ चल रहे हैं। भारतीय बैंकिंग प्रणाली के रूपान्तरण की इस प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी उत्प्रेरक की भूमिका निभा रही है।

इलाहाबाद बैंक ने 2003-04 के दौरान समस्त प्रचालनगत क्षेत्रों, विशेषकर लाभप्रदता और व्यवसाय विस्तार में, सराहनीय कार्यनिष्पादन के साथ अपना 140वाँ स्थापना दिवस मनाया। 2003-04 के दौरान बैंक के निवल लाभ में तेजी से 179.2% की वृद्धि हुई और यह पिछले वर्ष के रु.165.99 करोड़ से बढ़कर रु.463.38 करोड़ हो गया। 2003-04 के दौरान बैंक का परिचालनगत लाभ पिछले वर्ष के रु.515.83 करोड़ से 69.9% बढ़कर रु.876.25 करोड़ हो गया। औसत कार्यशील निधियों के प्रसार (स्प्रेड) का अनुपात 2002-03 के 2.94% से बढ़कर 2003-04 के दौरान 3.39% हो गया। लाभ में इस उत्कर्ष का श्रेय अन्य बातों के साथ साथ शुल्क आधारित आय में वृद्धि, विवेकसम्मत, निधि प्रबंधन, प्रचालनगत दक्षता तथा रिटेल क्रेडिट में वृद्धि को दिया जा सकता है।

आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि 2003-04 के दौरान प्रति शेयर पर

Chairman and Managing Director's Message

Dear Shareholders,

It gives me immense pleasure in extending a warm invitation to you to attend the Second Annual General Meeting of your Bank. I take the privilege of placing before you the Annual Report of your Bank for 2003-04. You will be happy to note that, your Bank has improved its performance in all key operational areas during 2003-04.

A robust GDP growth at 8.7% during 2003-04 amidst global economic slowdown has testified resilience of Indian economy. The economic recovery has remained reasonably broad-based with agricultural growth of 12.6%, industrial growth of 7.0% and services growth of 8.3%. The silver lining in Indian economy continues inter alia with low inflation, adequate forex reserve, spurt in exports, containment of fiscal deficit and rejuvenated capital market. These apart, infrastructure industries and external sector of the economy are looking up fast in recent times.

The Indian Financial Sector is passing through a stage of transition, accompanied by liberalization and globalization, WTO implication, adoption of stringent prudential capital adequacy norms under Basel II etc. In this process of transformation of Indian Banking System, technology is playing a catalytic role.

Allahabad Bank commemorated its 140th year of foundation with commendable performance in all operational areas, particularly profitability and business expansion during 2003-04. The net profit of the Bank zoomed by 179.2% to Rs.463.38 crores during 2003-04 from Rs.165.99 crores in the preceding year. The operating profit of the Bank grew by 69.9% to Rs.876.25 crores during 2003-04 from Rs.515.83 crores last year. The ratio of spread to average working funds improved to 3.39% during 2003-04 from 2.94% during 2002-03. The surge in profit can be attributed to increase in fee-based income, judicious fund management, operational efficiency and spurt in retail credit, among others.

You will be happy to note that the earnings per share increased

आय रु.5.89 से बढ़कर रु.13.37 हो गई जबकि प्रति शेयर का बही मूल्य रु.33.76 से बढ़कर रु.44.76 हो गया। पूंजी बाजार में बैंक का स्क्रिप बैंक के कार्यनिष्पादन पर जनता के सतत विश्वास और समर्थन को प्रदर्शित करता है।

सुदृढ़तर वित्तीय स्थिति का संकेत देते हुए 31.3.2004 को यथास्थिति बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 12.52% रहा जो कि सालभर पहले 11.15% था।

मुझे यह सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि 31.3.2004 को यथास्थिति आपके बैंक का कुल व्यवसाय 22.9% बढ़कर रु.47,865 करोड़ हो गया जिसमें कुल जमा राशि 23.6% बढ़कर रु.31,477 करोड़ और सकल ऋण 21.5% बढ़कर रु.16,388 करोड़ हो गया। 31.3.2004 को यथास्थिति सकल निवेश 25.0% बढ़कर रु.15,600 करोड़ हो गया। व्यवसाय में वृद्धि से बैंकों को अपना बाजार अंश बढ़ाने में सहायता मिली।

एनपीए की चुनौती का बैंक ने मजबूती से सामना किया और एनपीए स्तर को 31.3.2003 को यथास्थिति 7.08% से घटाकर 31.3.2004 को यथास्थिति 2.37% तक ला दिया। 31.3.2004 को यथास्थिति बैंक का सकल एनपीए 31.3.2003 को यथास्थिति 1,841.50 करोड़ से घटकर 1,418.46 करोड़ हो गया जबकि इस अवधि के दौरान निवल एनपीए 886.98 करोड़ से घटकर 362.83 करोड़ हो गया। प्रावधान कवरेज अनुपात जो 2002-03 के दौरान 51.23% था जो 2003-04 के दौरान बढ़कर 73.75% हो गया।

2003-04 के दौरान दक्षता में हुई वृद्धि से कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में प्रचालनगत व्यय को घटाकर 2.44% करने में बैंक को मदद मिली जबकि 2002-03 में यह 2.60% था। इस अवधि के दौरान आस्तियों पर प्रतिफल 0.59% से बढ़कर 1.34% हुआ जबकि निवल संपत्ति पर प्रतिफल 19.70% से बढ़कर 41.03% हो गया। 2003-04 के दौरान प्रति कर्मचारी व्यवसाय के रूप में आंकी गई उत्पादकता पिछले वर्ष के रु.183 लाख की तुलना में 2003-04 के दौरान तेजी से बढ़कर रु.215 लाख हो गई जबकि इस अवधि के दौरान प्रति कर्मचारी लाभ रु.0.87 लाख से बढ़कर रु.2.46 लाख हो गया।

बैंक ने ग्रामीण ऋण पर बल देना जारी रखा और कृषि तथा प्राथमिकता क्षेत्र के वित्तपोषण में बेहतर कार्यनिष्पादन को प्रदर्शित किया। मार्च 2004 के अंत तक कृषि अग्रिम 36.1% बढ़कर रु.3,063 करोड़ हो गए। कृषि ऋण, निवल बैंक ऋण का 18.8% रहा। कुल प्राथमिकता क्षेत्र ऋण 32.2% बढ़कर रु.7,443 करोड़ हो गया। मार्च 2004 के अंत में यह निवल बैंक ऋण का 45.8% रहा। 2003-04 के दौरान बैंक ने 1,30,155 किसान कार्ड जारी किए। रु.326.12 करोड़ की ऋण सीमा संस्वीकृत की। इस प्रकार कार्डों की संवयी संख्या 4.14 लाख हो गई। स्वयं सहायता समूह के गठन, आदर्श ग्राम, लघु उद्योग वित्तपोषण इत्यादि क्षेत्रों में भी बैंक का कार्यनिष्पादन उल्लेखनीय रहा। झारखंड, जहाँ आपका बैंक राज्य स्तरीय बैंकर समिति का संयोजक है, के आर्थिक उत्थान के प्रयास जारी हैं।

बैंक ने अपने निर्दिष्ट 257 रिटेल बैंकिंग बुटीकों के माध्यम से रिटेल क्रेडिट पर ध्यान केन्द्रित करना जारी रखा। 31.3.2004 को यथास्थिति रु.3,170 करोड़ का बकाया रिटेल क्रेडिट बैंक के गैर-खाद्य ऋणों के 20% से अधिक है।

बैंक ने लाभप्रदता, कार्यकुशलता और प्रभावोत्पादकता बढ़ाने हेतु विभिन्न प्रचालनगत क्षेत्रों में अनेक नई पहल प्रारंभ की हैं। इनमें बीमा क्षेत्र, म्यूचुअल फंड और निर्यात ऋण क्षेत्र की अग्रणी संस्थाओं के साथ टाई-अप व्यवस्था और कार्पोरेट एजेंसी व्यवस्था के माध्यम से शुल्क आधारित आय में वृद्धि

to Rs.13.37 from Rs.5.89 during 2003-04 while book value per share improved to Rs.44.76 from Rs.33.76. The scrip of Allahabad Bank in capital market depicted continued trust and support of people on the performance of the Bank.

Indicating stronger financial health, the capital adequacy ratio of the Bank stood at 12.52% as on 31.3.2004 as against 11.15% a year ago.

I am happy to report that total business of your Bank went up by 22.9% to Rs.47,865 crores, with total deposits growing by 23.6% to Rs.31,477 crores and gross credit increasing by 21.5% to Rs.16,388 crores as on 31.3.2004. Gross investments went up by 25.0% to Rs.15,600 crores as on 31.3.2004. The spurt in business has helped the Bank to improve its market share.

The menace of NPAs combated strongly by the Bank, bringing down net NPAs from the level of 7.08% as on 31.3.2003 to 2.37% as on 31.3.2004. Gross NPAs of the Bank declined to Rs.1,418.46 crores as on 31.3.2004 from Rs.1,841.50 crores as on 31.3.2003 while net NPAs reduced to Rs.362.83 crores from Rs.886.98 crores during the period. Provision coverage ratio was brought up from 51.23% during 2002-03 to 73.75% during 2003-04.

Enhanced efficiency has helped the Bank to reduce operating expenses as percentage to working funds to 2.44% during 2003-04 from 2.60% in 2002-03. Return on assets improved to 1.34% from 0.59% while return on net worth went up to 41.03% from 19.70% during the period. Productivity measured by business per employee jumped to Rs.215 lacs during 2003-04 from Rs.183 lacs in the previous year while profit per employee increased to Rs.2.46 lacs from Rs.0.87 lacs during the period.

The Bank continued its thrust on rural credit and excelled performance in the areas of financing agriculture and priority sectors. Agriculture Advances grew by 36.1% to Rs.3,063 crores as at March-end 2004. Agriculture credit formed 18.8% of Net Bank Credit. Total Priority Sector Credit grew by 32.2% to Rs.7,443 crores. It formed 45.8% of Net Bank Credit as at March-end 2004. The Bank issued 1,30,155 Kisan Credit Cards involving credit limit of Rs.326.12 crores during 2003-04, taking the cumulative number of cards to 4.14 lacs. The Bank's performance in the areas of formation of Self Help Group, Model Village, Small Scale Industry financing etc. was also noteworthy. Endeavour continued for economic upliftment of Jharkhand, where your Bank is the convenor of State Level Banker's Committee.

The Bank continued to focus on retail credit armed with designated 257 Retail Banking Boutiques. The outstanding retail credit at Rs.3,170 crores as on 31.3.2004, formed more than 20% of the Bank's non-food credit.

The Bank has adopted various new initiatives in different operational areas to boost profitability, efficiency and efficacy. The initiatives include increasing fee-based income through tie-up arrangements and corporate agency arrangements with leading institutions in insurance sector, mutual funds and export

करना शामिल है। बैंक ने 10% इक्विटी स्टोक के साथ यूटीआई द्वारा संवर्धित एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी में शामिल होने का निर्णय लिया है।

ग्राहकों की अपेक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए बैंक ने वर्ष 2003-04 के दौरान अनेक नई योजनाएं प्रारंभ की हैं जैसे हमारे मौजूदा प्रमुख किसान क्रेडिट कार्ड धारकों को सशक्त बनाने हेतु किसान शक्ति योजना (केएसवाई), रु. 3.00 करोड़ तक की ऋण सीमा वाले ग्राहकों को उनकी श्रेणी (उधार खातों में ऋण जोखिम ग्रेडिंग) के आधार पर गोल्ड, सिल्वर तथा अन्य ग्राहकों आदि के रूप में वर्गीकृत करते हुए ऋण मूल्यन सुविधा प्रदान करने की योजना।

आपके बैंक ने त्वरित, कारगर और शिष्ट ग्राहक सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। भारतीय रिजर्व बैंक से प्रेरणा पाकर आपके बैंक ने बैंक द्वारा अपनाई जा रही प्रणाली और प्रक्रियाविधि को सरल बनाने हेतु लोक सेवा प्रक्रियाविधि और कार्यनिष्पादन लेखापरीक्षा संबंधी तदर्थ समिति गठित की है।

बैंक ने महानगरीय केन्द्रों में शाखाओं के युक्तिकरण और संभावित विकास वाले केन्द्रों में नई शाखाएं खोलने हेतु नीति तैयार की है। इसने विनिर्दिष्ट व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित करते हुए शाखाओं के वर्गीकरण हेतु नीति बनाई है। बैंक ने व्यवसाय के मद्देनजर 11 शाखाओं के विलय का निर्णय लिया। कोलकाता मुख्य शाखा स्थित मौजूदा डीपी के अतिरिक्त 2003-04 में बैंक ने वाराणसी, लखनऊ और कानपुर में तीन और डीपी खोले हैं।

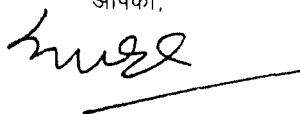
बैंक सक्रिय मानव संसाधन टीम तैयार करने हेतु प्रशिक्षण प्रणाली को दुरुस्त कर रहा है। मानव संसाधन विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए बैंक ने एनआईबीएम को एचआरडी सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है।

कम्प्यूटरीकरण पर आपके बैंक द्वारा नए सिरे से बल दिया जा रहा है। बैंक ने 31.3.2004 तक 1,039 शाखाओं एवं विस्तारपटलों को कम्प्यूटरीकृत किया है। केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशानिर्देशों को पूरा करने हेतु बैंक ने दिसंबर 2004 तक अपनी समस्त शाखाओं को कम्प्यूटरीकृत करने की योजना बनाई है। अब तक कुल 85 एटीएम संस्थापित किए गए हैं और इस वित्तीय वर्ष के दौरान 250 अतिरिक्त एटीएम संस्थापित करने की योजना है। बैंक ने अपने स्विच के माध्यम से बीजा की मूल सदस्यता के साथ इंटरकनेक्टिविटी शीघ्र करने की भी योजना बनाई है। चरण-1 के अंतर्गत दिसंबर 2005 तक बैंक 400 शाखाओं में केंद्रीयकृत बैंकिंग सॉल्यूशन को कार्यान्वित करने की प्रक्रिया में है। बैंक भारिबैं और आईबीए द्वारा आरंभ की गई विभिन्न आईटी परियोजनाओं जैसे ओल्टास, आरटीजीएस आदि में भी सहभागिता कर रहा है।

प्रौद्योगिकी, संविभाग विविधीकरण, ग्राहक संकेन्द्रण लागत और प्रतिफल में वृद्धि तथा प्रणालियों और प्रक्रियाविधि के अनुपालन जैसे क्षेत्रों में उभरती चुनौतियों का सामना करने हेतु बैंक सर्वोत्तम व्यवहार अपनाने की प्रक्रिया में है। शेयरधारकों, ग्राहकों, कर्मचारियों और शुभचिंतकों के सतत समर्थन से हमें विश्वास है कि हम बैंक को व्यवसाय तथा ग्राहक संतुष्टि की नई ऊँचाईयों तक ले जाएंगे।

शुभकामनाओं सहित,

आपका,



(ओ.एन. सिंह)

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

3 मई, 2004
कोलकाता

credit sector. The Bank decided to join the Asset Reconstruction Company promoted by UTI with 10% equity stake.

Focusing on customer requirements, the Bank has launched a number of new schemes during 2003-04 e.g. Kisan Shakti Yojana (KSY) for empowering farmers, scheme for extending loan pricing benefits to customers having credit limits up to Rs.3 crores based on their categorisation (Credit Risk Grading of the Borrowal Accounts) into Gold, Silver & Other Customers etc.

Quick, efficient and courteous customer service has assumed top priority of your Bank. Taking cue from RBI guidelines, your Bank has formed Ad-Hoc Committee on Procedures & Performance Audit on Public Services to simplify systems & procedures, being practised by the Bank.

The Bank has adopted the policy of rationalization of Branches at Metropolitan Centers and opening of new branches in upcoming growth centers. It has formulated plan for segmentation of branches with specific business focus. The Bank decided to merge 11 branches on business consideration. Three more new DPs have been opened in Varanasi, Lucknow and Kanpur during 2003-04 in addition to existing DP at Kolkata Main Branch.

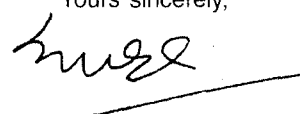
The Bank has been revamping the training system to build proactive human resources team. Keeping human resources development at the focus, the Bank has engaged NIBM as the HRD consultant.

Computerization has been receiving renewed thrust from your Bank. The Bank has computerized 1,039 branches and extension counters up to 31.3.2004. The Bank has planned to computerize all its Branches by December 2004 to fulfill Central Vigilance Commission directives. A total number of 85 ATMs has been installed so far and planned to install additional 250 ATMs during this financial year. The interconnectivity of ATMs with Principal Membership of VISA through Bank's owned switch is targeted shortly. The Bank is in the process of implementing Centralised Banking Solution in 400 Branches under Phase I by December 2005. The Bank is also participating in various IT projects like OLTAS, RTGS etc. initiated by RBI and IBA.

The Bank is in the process of adoption of Best Practices to face the emerging challenges in the areas of technology, portfolio diversification, customer focus, optimization of costs and yield and adherence to systems and procedures. With continued support from the shareholders, customers, employees and well-wishers, we are confident to take the Bank to a new height of business and customer satisfaction.

With warm regards,

Yours sincerely,



(O. N. SINGH)

Chairman & Managing Director

3rd May, 2004
Kolkata

इलाहाबाद बैंक

प्रधान कार्यालय : 2, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता-700 001

सूचना

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि इलाहाबाद बैंक के शेयर धारकों की द्वितीय वार्षिक आम बैठक सोमवार, 21 जून, 2004 को पूर्वाह्न 10.30 बजे, मुख्य सभागार साइंस सिटी, जे. बी. एस. हाल्डन एवेन्यू, कोलकाता - 700046 में आयोजित की जाएगी जिसमें निम्नलिखित व्यवसायों का संचालन किया जाएगा।

"यथास्थिति 31.03.2004 के बैंक के तुलन-पत्र, 31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष हेतु लाभ-हानि लेखा, इस अवधि हेतु बैंक के कारोबार और गतिविधियों के सम्बन्ध में निदेशक मंडल के प्रतिवेदन और तुलन-पत्र तथा लेखाओं पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर चर्चा।"

बोर्ड के आदेश से

स्थान : कोलकाता

(ओ. एन. सिंह)

तिथि : 03.05.2004

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

नोटः**1. प्रॉक्सी की नियुक्ति :**

बैठक में उपस्थिति होने और मतदान करने के अधिकारी शेयर धारक को प्रॉक्सी नियुक्त करने का भी हक है जो उसकी ओर से बैठक में उपस्थित हो और मतदान करे और ऐसे प्रॉक्सी का बैंक का शेयर-धारक होना आवश्यक नहीं है। प्रॉक्सी फार्म को प्रभावी बनाने हेतु यह बैंक के प्रधान कार्यालय, 2, एन. एस. रोड, कोलकाता में बैठक की तिथि से चार दिन से अधिक विलम्ब से नहीं अर्थात् बुधवार, 16 जून, 2004 को कार्य समाप्ति या उससे पूर्व अवश्य प्राप्त हो जाना चाहिए। कृपया नोट करें कि इलाहाबाद बैंक (शेयर और बैठकें) विनियम 1999 के अनुसार बैंक के किसी भी कर्मचारी अथवा अधिकारी को प्रॉक्सी के रूप में नियुक्त नहीं किया जा सकता।

2. प्राधिकृत प्रतिनिधि की नियुक्ति :

कोई भी व्यक्ति, किसी निगमित निकाय, जो बैंक का शेयर धारक है, के विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में तब तक बैठक में उपस्थित नहीं हो सकेगा अथवा मतदान नहीं कर सकेगा जब तक कि विधिवत् प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में उसकी नियुक्ति करने वाले संकल्प की प्रति उस बैठक जिसमें उसे पारित किया गया है, के अध्यक्ष द्वारा सत्यप्रति के रूप में प्रमाणित किया गया है बैंक के प्रधान कार्यालय : 2, नेताजी सुभाष रोड, कोलकाता - 700001 अर्थात् बुधवार 16 जून, 2004 को कार्यसमाप्ति या उससे पूर्व प्राप्त न हो जाए। कृपया नोट करें कि इलाहाबाद बैंक (शेयर और बैठकें) विनियम, 1999 के अनुसार बैंक के किसी भी कर्मचारी अथवा अधिकारी को प्राधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त नहीं किया जा सकता।

3. उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेश-पत्र :

शेयर धारकों की सुविधा हेतु उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेश-पत्र वार्षिक रिपोर्ट के साथ संलग्न है। शेयर धारकों / प्रॉक्सी धारकों / प्राधिकृत प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे इसे भरें और इसमें दिए गए स्थान पर हस्ताक्षर कर इसे बैठक स्थल पर प्रस्तुत कर दें। शेयर धारकों के

ALLAHABAD BANK

Head Office : 2, N.S. Road, Kolkata- 700 001

NOTICE

NOTICE is hereby given that the Second Annual General Meeting of the shareholders of Allahabad Bank will be held on Monday, the 21st June, 2004 at 10.30 A.M. at Main Auditorium, Science City, J.B.S.Haldane Avenue, Kolkata-700 046 to transact the following business :

"To discuss the Balance Sheet of the Bank as at 31.03.2004, Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March, 2004, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts."

By order of the Board

Place: Kolkata

(O.N.Singh)

Date : 03.05.2004

Chairman & Managing Director

NOTES**1. APPOINTMENT OF PROXY**

A Shareholder entitled to attend and vote at the meeting, is also entitled to appoint a Proxy to attend and vote instead of himself/herself, and such a proxy need not be a Shareholder of the Bank. The proxy form in order to be effective must be received by the Bank at its Head Office at 2, N.S.Road, Kolkata - 700001 not later than FOUR DAYS before the date of the Meeting i.e. on or before the closing hours of Wednesday, the 16th June, 2004. Please note that any employee or officer of the Bank cannot be appointed as proxy as per provisions of Allahabad Bank (Shares & Meetings) Regulations, 1999.

2. APPOINTMENT OF AN AUTHORISED REPRESENTATIVE

No person shall be entitled to attend or vote at the meeting as a duly authorised representative of any body corporate which is a shareholder of the Bank, unless a copy of the resolution appointing him/her as duly authorized representative, certified to be a true copy by the Chairman of the meeting at which it was passed shall have been deposited at the Head office of the Bank at 2, N.S.Road, Kolkata - 700001 not later than FOUR DAYS before the date of the Meeting i.e. on or before the closing hours of Wednesday, the 16th June, 2004. Please note that any employee or officer of the Bank cannot be appointed as authorised representative as per provisions of Allahabad Bank (Shares & Meetings) Regulations, 1999.

3. ATTENDANCE SLIP-CUM-ENTRY PASS

For the convenience of the shareholders, Attendance slip-cum-Entry Pass is annexed to the Annual Report. Shareholders/Proxy holders/Authorised Representatives are requested to fill in and affix their signatures at the space

प्रॉक्सी/प्राधिकृत प्रतिनिधि को चाहिए कि वह अपनी उपस्थिति पर्ची-सह-प्रवेश-पत्र पर यथास्थिति "प्रॉक्सी" अथवा "प्राधिकृत प्रतिनिधि" का उल्लेख करें।

4. शेयर धारकों के रजिस्टर का बन्द किया जाना :

द्वितीय वार्षिक आम बैठक के संबंध में और बैंक द्वारा घोषित लाभांश यदि कोई हो, प्राप्त करने के हकदार शेयर धारकों का निर्धारण करने के प्रयोजन से बैंक के शेयर धारकों का रजिस्टर और शेयर अन्तरण बहियाँ सोमवार 14 जून, 2004 से सोमवार 21 जून 2004 तक (दोनों दिन शामिल) बंद रहेगी।

5. लाभांश का भुगतान :

बैंक के निदेशक मंडल द्वारा घोषित लाभांश का भुगतान, यदि कोई हो, उन शेयर धारकों को किया जाएगा जिनके नाम 12 जून, 2004 को यथास्थिति एन. एस. डी. एल./सी.डी.एस.एल. द्वारा तैयार किए गए बैंक के शेयर धारकों / हिताधिकारी स्वामियों के रजिस्टर में शामिल होंगे। ऐसे शेयर धारकों को लाभांश वारंट वार्षिक आम बैठक की तारीख से 30 दिनों के अंदर शेयर अंतरण एजेन्ट अर्थात् कारवी कंप्यूटर शेयर लि. के माध्यम से भेजा जाएगा।

6. लाभांश अथवा इलेक्ट्रॉनिक क्लियरिंग सर्विस : (इ सी एस) हेतु बैंक का अधिदेश

क) वारंटों के कपट-पूर्ण नकदीकरण से निवेशकों की रक्षा करने के उद्देश्य से सदस्यों से अनुरोध है कि जब कभी बैंक द्वारा लाभांश घोषित किया जाता है तो वे जहाँ पर नकदीकरण हेतु डिविडेंट वारंट जमा करना चाहते हैं वहाँ के बैंक खाता संख्या चालू/ बचत, बैंक का नाम और शाखा का उल्लेख करें।

इन विवरणों को लाभांश वारंट के चेक वाले हिस्से पर नाम के साथ-साथ मुद्रित किया जाएगा ताकि इन वारंटों को शेयर धारक से इतर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा न भुनाया जा सके।

उपरोक्त विवरण प्रथम / एकल धारक द्वारा सीधे हैदराबाद स्थित शेयर अंतरण एजेन्ट को प्रस्तुत किये जाएँगे जिसमें फोलियो सं. रखे गए शेयरों की संख्या, होल्डिंग का विवरण आदि दिया जाएगा।

ख) बैंक विनिर्दिष्ट शहरों में रह रहे शेयर धारकों हेतु ई सी एस सुविधा भी मुहैया करा रहा है। जब कभी बैंक द्वारा लाभांश घोषित किया जाता है तो लाभांश को खाते में जमा करने हेतु शेयर धारकों द्वारा इस सुविधा का लाभ भी, बावजूद बैंक अधिदेश के, उठाया जा सकता है।

7. बैंक के शेयरों का लेनदेन अनिवार्यतः डिमैटीरिलाइज्ड (डिमैट) रूप में किया जाना :

सेबी द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसरण में हमारे बैंक के शेयरों का लेनदेन डिमैट रूप में करना सभी निवेशकों के लिए अनिवार्य है।

बैंक ने बैंक के शेयरों के डिमैटीरिलाइजेशन हेतु नेशनल सिक्यूरिटी डिपोजिटरी लि. (एन.एस.डी.एल.) और सेंट्रल डिपोजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लि. (सी.एस.डी.एल.) के साथ जारी कर्ता कम्पनी के रूप में करार किया है।

डिमैटीरिलाइजेशन हेतु अनुरोध संबंधी डिपोजिटरी सहभागी के माध्यम से हमारे रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण एजेन्टों को भेजे जा सकते हैं।

8. तुलनपत्र की प्रतियाँ :

शेयर धारकों को सूचित किया जाता है कि वार्षिक रिपोर्ट की प्रतियाँ वार्षिक आम बैठक स्थल पर वितरित नहीं की जाएंगी अतः शेयर

provided therein and surrender the same at the venue. Proxy/Authorised Representative of Shareholders should state in their Attendance Slip-cum-Entry Pass as 'Proxy' or 'Authorized Representative' as the case may be.

4. CLOSURE OF REGISTER OF SHAREHOLDERS

The Register of Shareholders and the Share Transfer Books of the Bank will remain closed from Monday, the 14th June, 2004 to Monday, the 21st June, 2004 (both days inclusive) in connection with the Second Annual General Meeting and for the purpose of determining the shareholders entitled to receive the Dividend, if any, declared by the Bank .

5. PAYMENT OF DIVIDEND

Payment of dividend, if any, declared by the Board of Directors of the Bank will be paid to those shareholders whose names appear on the bank's Register of Shareholders/Beneficial Owners, as furnished by NSDL/CDSL, as on 12th June, 2004.

The dividend warrants to such shareholders would be mailed by the Bank through Share Transfer Agents, viz. Karvy Computershare (P) Limited, within 30 days from the date of AGM.

6. BANK MANDATE FOR DIVIDEND OR ELECTRONIC CLEARING SERVICE (ECS)

a) In order to protect the investors from fraudulent encashment of warrants, the members are requested to furnish their Bank Account Number (Current/Savings), the name of the bank and Branch where they would like to deposit the dividend warrants for encashment, whenever Dividend is declared by the Bank.

These particulars will be printed on the cheque portion of the Dividend warrant besides the name of the shareholders, so that these warrants cannot be encashed by anyone other than the shareholder.

The above mentioned details should be furnished by the first/sole holder, directly to the Share Transfer Agents at Hyderabad, quoting the folio number, number of shares held, details of the holdings etc.

b) The Bank is offering the facility of ECS for shareholders residing in specified cities. This facility could also be used by the shareholders instead of Bank Mandate system for receiving the credit of dividends, whenever dividend is declared by the Bank.

7. COMPULSORY TRADING OF SHARES OF THE BANK IN DEMATERIALISED (DEMAT) FORM

Pursuant to the directive given by SEBI, trading of our Bank shares in dematerialised form has been made compulsory for all investors.

The Bank has entered into an agreement with National Securities Depository Ltd. (NSDL) and Central Depository Services (India) Ltd. (CSDL) as an issuer Company for dematerialisation of Bank's shares.

Request for dematerialisation may be sent through respective depository participants to our Registrars and Share transfer Agents.

8. COPIES OF BALANCE SHEET

Shareholders are advised that copies of the Annual Report will not be distributed at the venue of the Annual General

धारकों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रतियाँ अपने साथ लेकर आएँ जो उन्हें उनके पंजीकृत पते पर भेजी गई हैं।

9. शेयर धारकों की शंकाएँ :

यह सराहनीय होगा यदि शेयर धारक समय रहते अपनी शंकाएँ प्रस्तुत करें ताकि बैंक को उनका प्रभावी उत्तर देने में आसानी हो।

10. शेयर अंतरण एजेंट के साथ पत्राचार :

शेयर धारकों से अनुरोध है कि वे अपने पंजीकृत पते में किसी प्रकार के परिवर्तन, यदि कोई हो की सूचना बैंक के रजिस्ट्रार और शेयर अंतरण अभिकर्ता को इस पते पर दें।

मैसर्स कार्वी कंप्यूटर-शेयर (प्रा.) लि.

यूनिट : इलाहाबाद बैंक

46 एवेन्यू 4, स्ट्रीट न. 1, बंजारा हिल्स

हैदराबाद - 500034

दूरभाष : 040-23312454, फैक्स : 040-23311968

11. अन्य सूचना :

शेयर धारक कृपया नोट करें कि बैठक में कोई उपहार/कूपन वितरित नहीं किया जाएगा।

12. शेयर विभाग और निवेशक शिकायत कक्ष :

शेयर धारकों को त्वरित और प्रभावी सेवा प्रदान करने के उद्देश्य से इलाहाबाद बैंक ने अपने प्रधान कार्यालय, कोलकाता में एक निवेशक शिकायत कक्ष की स्थापना की है। शेयर धारक और निवेशक किसी भी प्रकार की सहायता हेतु निम्नलिखित पते पर इस कक्ष से सम्पर्क स्थापित कर सकते हैं।

उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा)

शेयर विभाग और निवेशक शिकायत कक्ष

इलाहाबाद बैंक, प्रधान कार्यालय

2, एन.एस.रोड, कोलकाता - 700 001

दूरभाष : 033-22420874

फैक्स : 033-22414048

ई-मेल : hogac@allahabadbank.co.in

Meeting and hence shareholders are requested to bring their copies of the Annual Report, which are mailed by the bank to them at their registered addresses.

9. SHAREHOLDERS' QUERIES

It will be appreciated if shareholders submit their queries, if any, sufficiently in advance to facilitate effective response from the Bank.

10. COMMUNICATION WITH SHARE TRANSFER AGENTS

Shareholders are requested to intimate changes, if any, in their registered address, to the Registrars and Share Transfer Agents of the Bank at the following address :

M/S. KARVY COMPUTERSHARE (P) LTD.

Unit : ALLAHABAD BANK

46, Avenue 4, Street No. 1,

Banjara Hills, Hyderabad - 500 034

Tel : 040-23312454, Fax : 040-23311968

11. OTHER INFORMATION

Shareholders may kindly note that no gift/coupon will be distributed at the meeting.

12. SHARE DEPARTMENT & INVESTORS' GRIEVANCE CELL

In order to facilitate quick and efficient service to the shareholders, Allahabad Bank has set up Investors' Grievance Cell at its Head Office, Kolkata. Shareholders and investors may contact this Cell at the under mentioned address for any assistance :

The Dy. General Manager (F&A)

Share Deptt. & Investors' Grievance Cell,

Allahabad Bank, Head Office,

2, N.S. Road, Kolkata - 700 001.

Telephone : 033-2242 0874

Fax : 033-2241 4048

Email : hogac@allahabadbank.co.in

**इलाहाबाद बैंक
निदेशकों की रिपोर्ट
अप्रैल 2003 से मार्च 2004**

31 मार्च, 2004 को समाप्त वर्ष हेतु परीक्षित लेखा विवरण सहित बैंक की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए निदेशक मंडल को प्रसन्नता हो रही है।

प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण

आर्थिक परिदृश्य

भूमंडलीय अर्थ-व्यवस्था में और अधिक गति आई जो एक स्वस्थ परिवर्तन की प्रतीक है। चीन की 9% से अधिक की वृद्धि तथा भारत की 8% से अधिक की वृद्धि के साथ एशिया का उभार विश्व के सबसे तेज वृद्धि वाले क्षेत्रों में बरकरार रहा। वर्ष के दौरान विश्व के व्यापारिक माल निर्यात में भी एक प्रबल उछाल आने की संभावना है।

देश के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 2002-03 के दौरान 4.0% की तुलना में 2003-04 में 8.7% की वृद्धि होने का अनुमान है। जीडीपी वृद्धि में तेजी का मुख्य कारण कृषि एवं संबद्ध क्रियाकलापों में पिछले वर्ष के दौरान 5.2% की कमी की तुलना में 12.6% की बढ़त है। खाद्यान्न उत्पादन के 2002-03 के दौरान 174.2 मिलीयन टन की तुलना में 2003-04 में 210.0 मिलीयन टन पहुँचने का अनुमान है। औद्योगिक उत्पादन का सूचकांक 2002-03 में 5.8% की तुलना में 2003-04 में 7.0% तक बढ़ने का अनुमान है। मुख्यतः व्यापार, होटल, यातायात एवं संचार क्षेत्र में उच्चतर वृद्धि के कारण सेवा क्षेत्र में 2002-03 के दौरान 7.1% की तुलना में 2003-04 में 8.3% की वृद्धि होने की संभावना है। इस प्रकार चल रही आर्थिक वसूली सिर्फ कृषि क्षेत्र तक सीमित रहने की बजाए युक्तिसंगत रूप से विस्तृत हो रही है।

निर्यात एवं आयात, यूएस \$ में, 2002-03 के दौरान क्रमशः 17.1% तथा 25.3% की तुलना में 2003-04 के दौरान 20.2% तथा 16.9% बढ़ा। मार्च 2004 के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार \$35.5 बिलियन से बढ़कर \$110.3 बिलियन हो गया। विदेशी मुद्रा भण्डार में सिर्फ एक वर्ष में यह रिकार्ड वृद्धि अंतर्राष्ट्रीय तेल मूल्यों में वृद्धि के बावजूद हुई।

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) में औसत आधार पर बढ़त द्वारा निर्धारित मुद्रास्फीति की वार्षिक दर 2002-03 में 3.4% की जगह 2003-04 के दौरान 5.4% रही। मांग एवं पूर्ति की अन्तर्निहित बाजार स्थितियों का सामना करते हुए भारत की वर्तमान विनियम दर नीति समय की कसौटी पर खरी उतरी है। 2002-03 के 5.1% मूल्य हास की तुलना में 2003-04 के दौरान रुपये की मूल्यवृद्धि 1.5% रही।

उपर्युक्त आर्थिक परिदृश्य सामान्यतः वित्तीय क्षेत्र एवं विशेषतः बैंकिंग तंत्र के विस्तार के लिए सहायक थी। इलाहाबाद बैंक ने अर्थ-व्यवस्था, विशेषतः ग्रामीण क्षेत्र की प्रबल वृद्धि का लाभ उठाया है एवं वर्ष के दौरान सुदृढ़ होता गया।

बैंकिंग परिदृश्य

भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी मौद्रिक एवं ऋण नीति के जरिए अपना ध्यान मुद्रा ब्याज दर के दौर में पर्याप्त तरलता तथा वाणिज्यिक क्षेत्र को प्रदत्त ऋण प्रवाह पर संकेन्द्रित रखा। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति में विदेशी मुद्रा के अंतर्प्रवाह के विस्तारित प्रभावों को रोकने के लिए पर्याप्त उपाय भी किए गए।

2003-04 के दौरान ब्याज दर संरचना अधोमुखी बैंकिंग तंत्र में तरलता को और अधिक सुधारने के लिए 2003-04 के दौरान बैंक दर को 6.25% से घटाकर 6.00% किया गया तथा पूरक रूप में आरक्षित नकदी अनुपात (सीआरआर) में कटौती करके उसे 4.75% से 4.50% किया गया। प्रमुख बैंकों की मूल उधार दर 10.25% - 11.00% के दायरे में रही जो एक वर्ष पूर्व 10.75% से 11.50% थी। एक वर्ष से अधिक समय की परिपक्वता

**ALLAHABAD BANK
DIRECTORS' REPORT
APRIL 2003 TO MARCH 2004**

The Board of Directors has pleasure in presenting the Annual Report along with the audited Statement of Accounts of the Bank for the year ended 31st March 2004.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

ECONOMIC SCENE

The global economy gained further momentum, signifying a turnaround. Emerging Asia continues to be the fastest growing region in the world with over 9% growth of China and over 8% growth for India. A strong acceleration in world merchandise exports is also expected during the year.

The real Gross Domestic Product (GDP) of the country is estimated to grow by 8.7% in 2003-04 as against 4.0% in 2002-03. The spurt in GDP growth can be mainly attributed to agriculture and allied activities by as much as 12.6% as compared to a decline of 5.2% in the previous year. Foodgrain production is estimated to touch 210.0 million tonnes in 2003-04 as against 174.2 million tonnes in 2002-03. Index of industrial production is projected to grow by 7.0% in 2003-04 as against 5.8% in 2002-03. The services sector is estimated to grow by 8.3% in 2003-04 as against 7.1% in 2002-03, mainly on account of higher growth on "trade, hotels, transport and communications". Thus, the economic recovery underway appears reasonably broad-based rather than being confined to the farm sector only.

Exports and imports, in US\$ terms, grew by 17.1% and 25.3% respectively during 2003-04 as against 20.2% and 16.9% during 2002-03. Foreign exchange reserves of the country went up by \$35.5 billion to \$110.3 billion as at March-end 2004. This record increase in foreign exchange reserves in a single year was despite increase in international oil prices.

The annual rate of inflation, measured by increase in Wholesale Price Index (WPI) on average basis, was at 5.4% during 2003-04 as against 3.4% in 2002-03. India's current exchange rate policy has stood the test of the time, being exposed to the underlying demand and supply market conditions. The rupee appreciated by 5.1% during 2003-04 as against 1.5% depreciation in 2002-03.

The above economic scene was conducive for the expansion of financial sector in general and banking sector in particular. Allahabad Bank has taken advantage of the robust growth of the economy, particularly rural sector, and grew strength to strength during the year.

BANKING SCENE

Reserve Bank of India continued its focus on adequate liquidity, in a softer interest rate regime and credit flow to the commercial sector through its monetary and credit policy. The monetary policy of Reserve Bank of India also took adequate measures for 'sterilising' the expansionary impacts of the forex inflows.

The interest rate structure shifted lower during 2003-04. The Bank Rate was reduced from 6.25% to 6.00% during 2003-04, supplemented by reduction in Cash Reserve Ratio (CRR) from 4.75% to 4.50% to improve further liquidity in the banking system. Prime Lending Rates of major banks were in the band of 10.25%-11.00% as against 10.75% to 11.50% a year ago. The deposit rates of major banks for term deposits of more than one-year

वाले मीयादी जमाओं के लिए प्रमुख बैंकों की जमा दरें वर्ष के दौरान 5.25% - 6.25% के दायरे से घटकर 5.00% - 5.50% के दायरे में रही। लागत के पहलुओं को उधार दरों के साथ जोड़ने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिर्देशों के अनुरूप बैंक "बेंचमार्क मूल उधार दर (बीपीएलआर)" लेकर आए। मार्च 2003 के अंत तक भारत मांग मुद्रा दर 6.38% से गिरकर मार्च 2004 के अंत तक 4.4% हो गई। रिपो दर 5.00% से गिरकर 4.50% हो गई। इस प्रकार वर्ष 2003-04 के दौरान भारतीय बैंकिंग तंत्र और अधिक मृदु ब्याज दर की तरफ अग्रसर हुआ।

धन आपूर्ति (एम-3) 2002-03 के 15.3% की तुलना में 2003-04 के दौरान बढ़कर 16.0% हुई। वृहत विदेशी पूंजी का अन्तर्प्रवाह धन आपूर्ति की वृद्धि का मुख्य स्रोत बना रहा। समस्त अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल जमा राशियाँ 28.3.2003 को यथास्थिति रु.13,11,761 करोड़ से बढ़कर, 26.3.2004 को यथास्थिति रु.15,33,052 करोड़ हो गई, जो 16.9% की वृद्धि दर्शाती है। इसी अवधि के दौरान निवल बैंक ऋण रु.7,46,432 करोड़ से बढ़कर रु.8,56,685 करोड़ हो गया जो 14.8% की वृद्धि दर्शाता है। गैर खाद्य ऋण रु.6,97,034 करोड़ से बढ़कर रु.8,20,171 करोड़ हो गया जो 17.7% की वृद्धि दर्शाता है। ऋण जमा अनुपात (निवल) 28.3.2003 को यथास्थिति 56.9% की तुलना में 26.3.2004 को यथास्थिति 55.9% हुआ। निवेश (सरकारी प्रतिभूतियों एवं अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में) रु.5,41,750 करोड़ से बढ़कर रु.6,72,317 करोड़ हो गया जो 24.1% की वृद्धि दर्शाता है।

2003-04 के उत्तरार्ध में वाणिज्यिक क्षेत्र में ऋण की मांग में तेजी आई। खुदरा क्षेत्र विशेषतः, आवास एवं व्यक्तिगत ऋण, एवं अन्य के अंतर्गत विनिर्माण क्षेत्र से ऋण की मांग महत्वपूर्ण रही।

भारतीय बैंकिंग तंत्र बाजार-अर्थव्यवस्था की तरफ और अग्रसर हुआ है। प्रचालनगत दक्षता उभर आई है क्योंकि ब्याज दर संरचना के साथ स्प्रेड मार्जिन में और अधिक कमी आई है। ऋण संविभाग की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए जोखिम प्रबंधन एवं विविधीकरण मुख्य कार्य बन गया। दक्षता को बढ़ाने के लिए नवोन्मेष एवं विपणन, कम्प्यूटरीकरण एवं सूचना प्रौद्योगिकी ने पहले ही मुख्य स्थान ग्रहण कर लिया है। पर्याप्त नीतियों के द्वारा एनपीए के प्रकोप का मुकाबला किया गया। बेसेल-II का क्रियान्वयन भारतीय बैंकिंग तंत्र के समक्ष उभरती हुई चुनौती है। संक्षेप में, भूमण्डलीय वित्तीय व्यवस्था के साथ भारतीय वित्तीय व्यवस्था के एकीकरण की तलाश ने एक और छलांग लगाई है।

इलाहाबाद बैंक का कार्यनिष्पादन

परिचालनगत परिणाम

2003-04 के दौरान मुख्य व्यवसाय मानदंडों में बैंक का कार्यनिष्पादन निम्नोक्त सारणी में संक्षेप में प्रस्तुत है:

	(रु. करोड़ में)		
मानदंड	31.03.2003	31.03.2004	वृद्धि (%)
निवल लाभ	165.99	463.38	179.2
प्रचालनगत लाभ	515.83	876.25	69.9
प्रावधान एवं आकस्मिक व्यय	349.84	412.87	18.0
कुल आय	3,094.70	3,418.47	10.5
कुल व्यय			
(प्रावधान को छोड़कर)	2,578.87	2,542.22	(1.4)
ब्याज स्प्रेड	909.77	1,085.76	19.3
कुल जमा राशियाँ	25,463	31,477	23.6
कुल अग्रिम	13,487	16,388	21.5
कुल व्यवसाय	38,950	47,865	22.9
निवेश	12,476	15,600	25.0

maturity declined from the range of 5.25%-6.25% to 5.00% to 5.50% during the year. Banks came out with 'Benchmark Prime Lending Rates (BPLR)', in line with Reserve Bank of India guidelines to link the aspects of costs with the lending rates. Weighted call money rates dropped from 6.38% by the end of March 2003 to 4.4% by the end of March 2004. Repo rates fell from 5.00% to 4.50%. Thus, Indian banking system moved further to softer interest rate regime during 2003-04.

The money supply (M_3) grew by 16.0% during 2003-04 as against 15.3% during 2002-03. Inflow of large foreign capital remained the major source for money supply growth. The aggregate deposits of all scheduled commercial banks went up to Rs.15,33,052 crores as on 26.3.2004 from Rs.13,11,761 crores as on 28.3.2003, showing a growth of 16.9%. Net bank credit increased to Rs.8,56,685 crores from Rs.7,46,432 crores during the same period, posting a growth of 14.8%. Non-food credit grew to Rs.8,20,171 crores from Rs.6,97,034 crores, registering a growth of 17.7%. The credit-deposit ratio (net) stood at 55.9% as on 26.3.2004 as against 56.9% as on 28.3.2003. Investments (in Govt. Securities & other approved securities) increased to Rs.6,72,317 crores from Rs.5,41,750 crores, showing a growth of 24.1%.

Credit demand from the commercial sector picked up in the second half of 2003-04. Credit demand was significant from retail sector, particularly housing and personal loans, and manufacturing sector, among others.

Indian banking system has moved further to market economy. Operational efficiency has come to the fore as spread marginalized with interest rate structure moving further down. Risk management and diversification became key to maintain quality credit portfolio. Innovation and marketing, computerization and information technology have already taken centre stage to boost efficiency. The menace of NPAs was combated with adequate policies. The implementation of Basel II is the emerging challenge before the Indian banking system. In fine, the quest of Indian financial system for integration with global financial system has taken a leap forward.

PERFORMANCE OF ALLAHABAD BANK

OPERATING RESULTS

The performance of the Bank in key business parameters during 2003-04 is summarized in the following table:

	(Rs. in crores)		
Parameter	31.3.2003	31.3.2004	Growth (%)
Net Profit	165.99	463.38	179.2
Operating Profit	515.83	876.25	69.9
Provisions & Contingencies	349.84	412.87	18.0
Total Income	3,094.70	3,418.47	10.5
Total Expenditure (Excl. Prov.)	2,578.87	2,542.22	(1.4)
Interest Spread	909.77	1,085.76	19.3
Total Deposits	25,463	31,477	23.6
Total Advances	13,487	16,388	21.5
Total Business	38,950	47,865	22.9
Investments	12,476	15,600	25.0